

भास्कर फॉलोअप

आईआईटी इंदौर के एक्सपर्ट को लेकर पोलोग्राउंड ब्रिज पहुंचे मंत्री, माना-डिजाइन में बड़ी खामी, 15 दिन बाद फिर होगी बैठक

इंदौर का Z ब्रिज... गाड़ियों के लिए 18 मीटर का टर्न चाहिए पीडब्ल्यूडी ने 12 मीटर ही छोड़ा, ट्रैफिक सर्वे तक नहीं कराया

भास्कर संवाददाता | इंदौर

90 डिग्री के दो कोण के साथ जेड आकार के पोलोग्राउंड रेलवे ओवर ब्रिज की खामियों पर भास्कर खुलासे के बाद मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और तुलसी सिलावट आईआईटी इंदौर के एक्सपर्ट के साथ शुक्रवार को मौके पर पहुंचे। एक्सपर्ट्स ने माना कि पोलोग्राउंड आरओबी की डिजाइन में बड़ी खामी है। खामी सुधारे बगैर यहां ट्रैफिक संचालन मुश्किल है।

मंत्री विजयवर्गीय ने पीडब्ल्यूडी अफसरों से पूछा कि आपने इन ब्रिजों के लिए सर्वे किया था या नहीं। पोलोग्राउंड वाले ब्रिज की भुजा 18 मीटर रोड पर उतार रहे हैं, ये कैसे होगा? अफसर कोई जवाब नहीं दे पाए। यही स्थिति बाणगंगा ब्रिज पर भी बनी। वहां विजयवर्गीय ने पूछा कि ऐसी भुजा बना रहे हैं तो नमकीन क्लस्टर में ट्रक कैसे जाएंगे? एमआर-4 की तरफ कोई भुजा नहीं दी है। उज्जैन रोड से ट्रक-टॉले आए तो वह भी कैसे जाएंगे? इन पर भी अफसर खामोश ही रहे। दौरे में लोक निर्माण विभाग के ब्रिज सेल की एजीक्यूटिव इंजीनियर गुरनीत कौर भाटिया, अर्बन प्लानर अतुल सेठ, विधायक रमेश मेंदोला, मधु वर्मा मौजूद थे।

अफसर बोले- जैसी जगह मिली वैसी ही ब्रिज की डिजाइन बना दी

मंत्री ने सवाल उठाए तो अफसर बोले- जैसी जगह मिली वैसा डिजाइन बना दिया। मंत्री ने कहा सर्वे भी नहीं किया क्या तो अफसर चुप रहे। आईआईटी के प्रो. प्रियंशु व सेठ ने सुझाव दिया, पोलोग्राउंड ब्रिज की दोनों भुजाएं एमआर 4 पर उतारना ही ठीक रहेगा।

भास्कर सबसे पहले



9 जुलाई को प्रकाशित

बड़े वाहन मोड़ पर ही फंस जाएंगे, रोड की चौड़ाई साढ़े चार मीटर बढ़ाना पड़ेगी

एक्सपर्ट अतुल सेठ ने बताया कि पोलो ग्राउंड रेलवे ओवर ब्रिज अंग्रेजी के अक्षर Z आकार का ही बन रहा है। उसमें 90 डिग्री के दो मोड़ बन रहे हैं। बड़े वाहनों को मोड़ पर घूमने के लिए कम से कम 18 मीटर का टर्निंग रेडियस चाहिए, जबकि इन मोड़ में केवल 12 मीटर ही दिया गया है। वह भी तब जबकि सामने की तरफ से वाहन ना आ रहे हों। ऐसे में बड़े वाहन मुड़ते समय ही फंस जाएंगे। यहां पर रोड की चौड़ाई भी लगभग साढ़े 4 मीटर बढ़ानी पड़ेगी।



एक्सपर्ट के साथ ब्रिज की डिजाइन देखते मंत्री विजयवर्गीय व सिलावट।

बाणगंगा में भी 90 डिग्री पर टर्न, जहां ट्रैफिक ही नहीं, वहां उतार रहे एक भुजा

मंत्री विजयवर्गीय ने बाणगंगा रेलवे क्रॉसिंग पर बन रहे ओवर ब्रिज की डिजाइन भी देखी। यहां भी 90 डिग्री का मोड़ बन रहा है। सेठ ने बताया कि इस ओवर ब्रिज को लेकर पीडब्ल्यूडी अफसरों ने प्लानिंग नहीं की है। ट्रैफिक सर्वे तक नहीं किया गया है। ब्रिज का एक हिस्सा गौरी नगर तरफ जा रहा है तो दूसरा सांवेर रोड की तरफ उतारा जा रहा है। यहां पर 90 डिग्री का मोड़ बन रहा है। इसे गौरी नगर तरफ उतार रहे, जहां ट्रैफिक ही नहीं है। असली ट्रैफिक सांवेर रोड व एम आर 4 के बीच होगा।

सभी को साथ बैठ समाधान निकालने को कहा है

■ दोनों ब्रिज की भुजा में 90 डिग्री जैसा टर्न लग रहा है। दिक्कतें तो हैं और उन्हें सुलझाना भी होगा। अफसरों से यही पूछा कि आपने यह सब क्या सोचकर किया? सभी को कहा है कि साथ बैठें और समाधान निकालें। - कैलाश विजयवर्गीय, नगरीय आवास एवं विकास मंत्री

टर्न पर सड़क की चौड़ाई मानकों के अनुरूप होगी

■ डिजाइन मानकों का पालन करते हुए बना रहे हैं। जिस अलाइनमेंट में कम से कम जमीन का अधिग्रहण करना पड़े, उसे चुना जाता है। टर्न देते समय सड़क की चौड़ाई मानकों के अनुरूप ही होगी। - गुरनीत कौर भाटिया, ईई, पीडब्ल्यूडी